राजकुमार राव के समर्थन में उतरीं पत्नी पत्रलेखा

राजकुमार राव इन दिनों अपने बढ़े हुए वजन को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं. अब पत्नी पत्रलेखा ने राजकुमार का समर्थन किया है. हाल ही में एक इवेंट में एक्टर राजकुमार राव के बढ़े हुए वजन और हेयरस्टाइल पर कई लोगों के हैरानी जताने के बाद उन्होंने साफ किया कि यह लुक बाल झड़ने की वजह से नहीं है, बल्कि उनकी अगली बायोपिक 'निकम' के लिए है, जिसकी शूटिंग में वह इन दिनों बहुत बिजी हैं. अब उनकी पत्नी पत्रलेखा ने ऑनलाइन हो रही बातों का जवाब दिया है और अपने पति का साथ देते हुए कहा है कि उन्हें उन पर गर्व है.

उन्होंने ट्रोलर को सोशल मीडिया के जरिए सबक सिखाया. अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पत्रलेखा ने राजकुमार की पोस्ट शेयर की और कैप्शन में लिखा, 'आप पर बहुत गर्व है, राजकुमार राव. आप हर फिल्म प्रोजेक्ट के लिए अपना सब कुछ देते हैं. दुनिया उस प्रोसेस और मेहनत को नहीं देखती जो एक एक्टर के किरदार को बनाने में लगाता है. आखिरी नतीजा हमेशा आसान दिखता है. नजर आने वाले सारे फेम और ग्लैमर के पीछे, एक एक्टर की जिंदगी खून, पसीने, आंसुओं और पर्सनल लाइफ के त्याग से भरी होती है.

फरमान हैदर और सोनाक्षी बत्रा ने कहा 'फैंस का शुक्रिया'!

शो जगद्धात्री इन दिनों अपने लीड कपल शिवाय और जगद्धात्री को लेकर खूब चर्चा में है. फरमान हैदर और सोनाक्षी बत्रा दोनों ने शिवधात्री को मिल रहे प्यार के लिए दर्शकों का दिल से शुक्रिया अदा किया है. दोनों का कहना है

कि फैंस ने जिस तरह इस जोड़ी को अपनाया है, उसने उनके ऑन-स्क्रीन सफर को और भी खास बना दिया है.

जगद्धात्री का किरदार निभा रहीं सोनाक्षी बत्रा ने कहा, 'मैं दिल से अपने दर्शकों की शुक्रगुजार हूं, जिन्होंने शिवधात्री यानी शिवाय और जगद्धात्री को इतना प्यार दिया है. फरमान के साथ काम करना बहुत आसान और मजेदार रहता है. वो एक बेहतरीन एक्टर हैं और उनका साथ हर सीन को और बेहतर बना देता है. आगे की कहानी में दर्शकों को कुछ बहुत खास और देखने लायक सीन देखने को मिलेंगे. उम्मीद है कि शिवधात्री हर किसी की पसंदीदा जोड़ी बनेगी. हम दोनों पूरी मेहनत कर रहे हैं और चाहते हैं कि दर्शक इस सफर को हमारे साथ एंजॉय करें.

कानूनी पेंच में फंसी अमीषा पटेल

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री अमीषा पटेल को आज हर कोई जानता है, वह अक्सर किसी ना किसी वजह से सुर्खियों में छाई रहती हैं, लेकिन इन दिनों एक्ट्रेस कानूनी पेंच में फंस गई हैं. दरअसल, उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद कोर्ट ने अभिनेत्री के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है. यह मामला 2017 का है और अमीषा पटेल पर धोखाधड़ी का आरोप है. कोर्ट के आदेश के बावजूद अभिनेत्री पेश नहीं हुईं, जिससे अदालत ने सख्त रुख अपनाया.

सूत्रों के मुताबिक, साल 2017 में अमीषा पटेल को एक शादी समारोह में परफॉर्म करने के लिए बुलाया गया था. इवेंट मैनेजमेंट कंपनी ड्रीम विजन के मालिक पवन कुमार वर्मा ने उन्हें 14 लाख 50 हजार रुपये देने का वादा किया था. अमीषा ने 11 लाख रुपये एडवांस मांगे, जो पवन ने दे दिए. शादी के दिन अमीषा दिल्ली में पहुंचीं और डेस्टिनेशन तक जाने के लिए 2 लाख रुपये और मांगे. पवन ने यह देने से मना किया. इसके बाद अमीषा बिना कोई सूचना दिए वापस लौट गईं.

पवन ने आरोप लगाया कि अमीषा ने एडवांस में लिए गए 11 लाख रुपये वापस नहीं किए. इसके अलावा सुरेश कुमार, राजकुमार गोस्वामी और अहमद शरीफ के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया.

शशि थरूर ने की प्रियंका चोपड़ा की तारीफ

कांग्रेस सांसद शशि थरुर ने अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की तारीफ की है और कहा है कि एक दशक बाद उनसे (प्रियंका) से मिलकर अच्छा लगा और यह देखकर तथा सुनकर और अच्छा लगा कि वह कमाल का काम कर रही हैं.

गौरतलब है कि श्री थरूर हार्वर्ड इंडिया के सालाना समारोह में पहुंचे थे, जहां प्रियंका चोपड़ा के साथ उनकी मुलाकात हुई. इस सम्मेलन में भारतीय उद्यमी, नीति निर्माता और संस्कृति से जुड़ी कई हस्तियां शामिल हुईं. श्री थरूर और प्रियंका चोपड़े इस समारोह के मुख्य वक्ताओं में शामिल थे. इस दौरान दोनों की मुलाकात और उनके हाव-भाव ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा.

श्री थरूर ने सोशल मीडिया एक्स पर इस पल को शेयर किया और प्रियंका की तारीफ करते हुए लिखा, , 'हार्वर्ड इंडिया सम्मेलन के समापन समारोह के दौरान प्रियंका चोपड़ा से मुलाकात हुई. यह देख कर अच्छा लगा कि वह अच्छा कर रही हैं! उन्होंने एक ऐसे स्टेज पर पहुँचकर इंडिया को गर्व महसूस कराया है, जिस पर भारतीयों को बहुत कम मौका मिलता है. हाँ, वह बहुत खूबसूरत लग रही हैं, और समझदार दिख रही हैं. '

वहीं, प्रियंका चोपड़ा ने प्यार से जवाब देते हुए श्री थरुर का शुक्रिया अदा किया और कहा, 'शशि थरूर सर, आपसे दोबारा मिलकर बहुत अच्छा लगा. आप जैसे वक्ताओं की हमेशा से मैं तारीफ करती हूं और आपकी शाबाशी के लिए शुक्रिया. मेरे पैनल में रुकने और अपनी समझदारी को साझा करने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद.

उम्मीद है आप जल्द ही बेहतर महसूस करेंगे और हमारी राहें फिर से मिलेंगी. 'इस दौरान प्रियंका चोपड़ा ने अमेरिका में अपने शुरुआती सालों और अनुभवों के बारे में बताया.

स्वरा ने तीसरी सालगिरह पर शेयर की तस्वीरें

16 फरवरी को एक्ट्रेस स्वरा भास्कर और उनके पति फहद अहमद की शादी के तीन साल पूरे हो गए. इस मौके पर दोनों ने जश्न मनाया है. कपल ने स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत अपनी शादी रजिस्टर कराई थी. 16 फरवरी, 2023 को एक दिल को छू लेने वाले वीडियो के साथ उन्होंने अपनी शादी का ऐलान किया था.

शादी की तीसरी सालगिरह पर, स्वरा भास्कर ने फहद के साथ अपनी कोर्ट मैरिज की तस्वीरें शेयर कीं. तस्वीरों में उनके वलीमा (रिसेप्शन) का एक अनदेखा वीडियो भी शामिल है. तस्वीरें शेयर करते हुए स्वरा ने कैप्शन में लिखा 'और बस ऐसे ही.. 3 साल हो गए!!! हम तीनों को सालगिरह की शुभकामनाएं. फहद हम हमेशा एक-दूसरे के साथ रहें, चाहे कितनी भी दिक्कत हो, झगड़ा हो. मुश्किल समय में भी हम एक-दूसरे के साथ रहें. एक-दूसरे को थामे रहें, एक-दूसरे का सम्मान करें और आने वाले सभी वर्षों में एक-दूसरे से प्यार करें.'

स्वरा ने आगे लिखा 'मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि तुम्हारे साथ यह जिंदगी मिली! आखिरी तस्वीर हमारी शादी को प्रेजेंट करती है.'स्वरा के इस पोस्ट पर फैंस और यूजर्स ने जमकर प्यार लुटाया है. हर किसी ने कमेंट्स के जरिए एक्ट्रेस की तारीफ की है और उनकी शादी की फोटोज पर प्यार लुटाया है.

द केरल स्टोरी 2 : गोज बियॉन्ड का ट्रेलर हुआ रिलीज

बॉलीवुड फिल्मकार विपुल अमृतलाल शाह और उनके बैनर 'सनशाइन पिक्चर्स' के सहयोग से बनी फ़िल्म 'द केरल स्टोरी 2 - गोज बियॉन्ड' का ट्रेलर रिलीज हो गया है. वर्ष 2022 की फिल्म 'द केरल स्टोरी' का अगला पार्ट 'द केरल स्टोरी 2 - गोज बियॉन्ड' एक ऐसी कहानी का वादा करता है जो पहले से कहीं ज्यादा डार्क और बड़ी है, जो कई राज्यों और निजी त्रासदियों को समेटे हुए है.

ट्रेलर की शुरुआत एक रोंगटे खड़े कर देने वाली चेतावनी से होती है: जिसमें कहा गया है कि अगले 25 सालों में भारत एक इस्लामिक स्टेट में बदल सकता है. इसके तुरंत बाद कहानी राजस्थान की तरफ मुड़ती है, जहाँ एक परेशान हिंदू परिवार पुलिस स्टेशन में पॉक्सो शिकायत दर्ज कराने पहुँचता है. उनका आरोप है कि उनकी 16 साल की बेटी का जबरन धर्म परिवर्तन कराया गया है. उन माता-पिता का दर्द और बेबसी आगे आने वाली कहानी का माहौल सेट कर

देती है. वहाँ से कहानी मध्य प्रदेश पहुँचती है, जहाँ कथित तौर पर एक हिंदू युवती को धोखे से शादी के जाल में फंसाया जाता है, और फिर उसे धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया जाता है. उसकी खामोश तकलीफ और अकेलापन, धोखे और टूटे हुए भरोसे की एक डरावनी तस्वीर पेश करते हैं.

कहानी का तीसरा हिस्सा हमें वापस केरल ले जाता है. यहाँ एक मुस्लिम लड़का अपनी हिंदू गर्लफ्रेंड के सामने लिव-इन रिलेशनशिप का प्रस्ताव रखता है.

जयशंकर त्रिपाठी ने अनुभव साझा किए

'**हे** भगवान-कितना बदल गया इंसान !' में महेश शर्मा का किरदार निभा रहे हैं, जिसमें भगवान महादेव (तरूण खन्ना) को उनके मार्गदर्शक और साथी की तरह दिखाया गया हैं. जयशंकर का मानना है कि इस शो का हिस्सा बनना उनके लिए भगवान के आशीर्वाद की तरह है. अपने अनुभव साझा करते हुए जयशंकर त्रिपाठी, जो शो में महेश शर्मा का किरदार निभा रहे हैं, ने कहा, 'महाशिवरात्रि बचपन से ही मेरे जीवन का अहम हिस्सा रही है. मैं हमेशा भगवान शिव का भक्त रहा हूँ और व्रत, पूजा और रातभर भक्ति करता हूँ. इस साल यह और भी खास है क्योंकि मेरे आने वाले शो 'हे भगवान-कितना बदल गया इंसान' में भगवान महादेव मेरे किरदार के मार्गदर्शक और साथी के रूप में दिखाई देंगे.

कलाकारों ने महाशिवरात्रि के अपने खास अनुभव साझा किए

कलाकारों ने महाशिवरात्रि को लेकर अपनी आस्था, परंपराएं और निजी अनुभव साझा किए. कलाकारों ने बताया कि वे इस पावन पर्व को किस तरह मनाते हैं, कौन-से धार्मिक अनुष्ठान करते हैं और उनके जीवन में महाशिवरात्रि का क्या विशेष महत्व है. इन कलाकारों में शामिल हैं- आगामी शो 'हे भगवान कितना बदल गया इंसान' में महेश शर्मा की भूमिका निभा रहे जयशंकर त्रिपाठी, 'घरवाली पेड़वाली' के पारस अरोड़ा, 'हप्पू की उलटन पलटन' की गीतांजलि मिश्रा और 'भाबीजी घर पर हैं' के रोहिताश्व गौड़.

ज़ी टीवी के कलाकार 'जगद्धात्री' से सोनाक्षी बत्रा, 'वसुधा' से प्रिया ठाकुर, 'सरु' से मोहक मटकर, 'तुम से तुम तक' से वंदना पाठक, 'वसुधा' से अभिषेक शर्मा, 'गंगा माई की बेटियां से इंदिरा कृष्णा, 'जाने अनजाने हम मिले' से जयती भाटिया और 'लक्ष्मी निवास' से अक्षिता मुदगल ने बताया कि भगवान शिव उनके जीवन में हमेशा ताकत और राह दिखाने वाले रहे हैं. सभी का कहना है कि भोलेनाथ पर उनका विश्वास उन्हें संतुलित रखता है.

बसंतकालीन गन्ने की खेती से कैसे पाएं बेहतर मुनाफा

देश के प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों में बसंतकालीन गन्ने की खेती का समय शुरू हो चुका है .कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, 15 फरवरी के बाद बसंतकालीन गन्ने की बुवाई करने से उत्पादन और मुनाफा दोनों बेहतर मिलता है .इस दौरान यदि किसान वैज्ञानिक तरीके अपनाएं और उन्नत किस्मों का चयन करें, तो गन्ने की पैदावार में उल्लेखनीय बढ़ोतरी संभव है .

बसंतकालीन गन्ने की बुवाई का सही समय- कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि फरवरी के मध्य से मार्च के अंत तक का समय बसंतकालीन गन्ने की बुवाई के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है .इस समय तापमान अनुकूल होने से अंकुरण अच्छा होता है और फसल की बढ़वार मजबूत रहती है .किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अधिक उत्पादन देने वाली उन्नत किस्मों को प्राथमिकता दें और किस्म चयन से पहले नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र या कृषि विभाग के विशेषज्ञों से परामर्श अवश्य लें .

बीज चयन और उपचार है बेहद जरूरी- बेहतर पैदावार के लिए बीज का चयन सबसे अहम भूमिका निभाता है .ध्यान रखें कि इस्तेमाल किया जाने वाला गन्ने का बीज पूरी तरह रोगमुक्त और स्वस्थ हो .बुवाई से पहले बीज को फफूंदनाशक दवाओं जैसे कार्बेंडाजिम या थीरम से उपचारित करना जरूरी है, ताकि फसल को प्रारंभिक अवस्था में रोगों से बचाया जा सके .इससे अंकुरण प्रतिशत भी बेहतर रहता है .

आम के बौर के इन घातक कीटों से रहें सतर्क

फरवरी आते ही जैसे-जैसे तापमान बढ़ रहा है, आम के बागों में बौर (मंजर) तेजी से निकलने लगे हैं. लेकिन ध्यान रहे, आम के घातक कीट आपके बाग पर घात लगाकर बैठे हैं. अगर इस नाजुक समय पर सावधानी नहीं बरती गई, तो ये रस चूसने वाले कीट पूरे साल की मेहनत को चंद दिनों में बर्बाद कर सकते हैं. समय रहते अगेती बौर को कीट और रोगों से बचाने का इंतजाम जरूर करें.

आम के बौर पर गुझिया कीट का पहरा- आम के बागों में 'गुझिया' एक ऐसा दुश्मन है जो चुपके से जमीन से चढ़कर पूरी फसल तबाह कर सकता है. इसे रोकने का सबसे असरदार और सस्ता तरीका 'ट्री-बैंडिंग' है. इसके लिए आपको बस 1 किलो चिकनी मिट्टी, 250 ग्राम पी.ओ.पी. और थोड़ा जला हुआ

मोबिल ऑयल चाहिए. इन सबको मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट बनाएं और पेड़ के तने पर जमीन से थोड़ी ऊंचाई पर चारों तरफ 2-3 इंच चौड़ी पट्टी बना दें. इस पट्टी के ऊपर प्लास्टिक की शीट या सेलो टेप को मजबूती से लपेटकर सुतली से बांध दें. यह चिकनी सतह कीटों को ऊपर चढ़ने से रोक देती है.

इसके साथ ही, 'इंटीग्रेटेड पेस्ट मैनेजमेंट' अपनाते हुए पेड़ के चारों तरफ एक मीटर के घेरे में नीम या करंज की खली जरूर डालें. यह मिट्टी में छिपे कीटों को वहीं खत्म कर देती है. यदि कीट गलती से ऊपर पहुंच जाएं, तो डायमेथोएट का छिड़काव करना अनिवार्य हो जाता है ताकि बौर सुरक्षित रहें.

बौर निकलते ही सक्रिय होता है ये घातक कीट- मधुआ यानी मैंगो हॉपर आम के ऐसे घातक दुश्मन हैं जो टहनियों और मंजरों का रस चूसकर उन्हें सुखा देते हैं. मधुआ कीट पूरे भारत में, खासकर उत्तर प्रदेश और बिहार

खतरनाक आम के कीटों को अभी भगाएं

अगर आपके बाग में कीटों का हमला ज्यादा दिख रहा है और मंजर आने में देरी हो रही है, तो विशेषज्ञों द्वारा 'पेड़ों की धुलाई' की सलाह दी जाती है . इसके लिए किसी असरदार कीटनाशक की 2 मिलीलीटर मात्रा को एक लीटर पानी में घोलें और स्प्रे मशीन से तने से लेकर पत्तियों तक पूरे पेड़ को अच्छी तरह नहला दें . यह तरीका छिपे हुए कीटों को जड़ से खत्म कर देता है .

इन उपायों से दूर होगा पशुओं में बांझपन

किसान खेती के बाद सबसे ज्यादा पशुपालन ही करते हैं.खेती के साथ पशुपालन करके किसान अपनी आय में बढ़ोतरी कर पाते हैं.लेकिन बहुत सारे पशुपालक किसानों के लिए पशुओं का बांझपन एक बड़ा आर्थिक नुकसान होता है.बड़े बड़े डेयरी उद्योगों और पशुपालकों को भी अक्सर इस समस्या से गुजरना पड़ता है, जब पशु बांझपन से ग्रस्त हो जाता है और फिर उस पशु को पालना पशुपालकों के लिए बड़ी आर्थिक हानि का सौदा हो जाता है. पशुओं की देखरेख, उसके चारे में अच्छा खासा खर्च होता है और किसान का श्रम भी लगता है.ऐसे नुकसान से बचने के लिए किसानों को कुछ खास उपाय अपनाने चाहिए ताकि पशु बांझपन की समस्या से ग्रस्त न हो और बांझ पशु आप पर आर्थिक बोझ न बनें.

क्यों होता है पशुओं में बांझपन- पशुओं में बांझपन होने के कई कारण हो सकते हैं.हर 10 में से 1 पशु बांझ हो सकता है.यानी 10% मामलों में पशु बांझपन का शिकार हो जाते हैं.जिसका बड़ा कारण पशुओं में मौजूद हार्मोन का असंतुलन है.हालांकि बांझपन की दर को कम किया जा सकता है.मादा में कुपोषण, जन्मजात दोष, हार्मोन असंतुलन जैसे कई कारण हैं जो पशुओं में बांझपन पैदा कर सकती है.

पशुओं में बांझपन दूर करने के लिए इन तीन बातों का ध्यान रखें- (1) बच्चे को जन्म से ही पौष्टिक आहार देते रहें और मां के दूध का अच्छा सेवन करवाएं.साथ ही पशुओं को हमेशा संतुलित आहार दें.जिसमें प्रोटीन, विटामिन, खनिज आदि की प्रचुर मात्रा हो. (2) कामोत्तेजना अवधि के दौरान ही ब्रीडिंग की जानी चाहिए.अगर कामोत्तेजना समय पर नहीं आती, तो उनकी जांच करके इलाज की जानी चाहिए. (3) गर्भाधान के 60 से 90 दिनों के भीतर योग्य पशु चिकित्सक से जांच करवाएं.गर्भाधान से पहले पशुओं की डीवर्मिंग जरूर करें ताकि पेट के कीड़े का समाधान हो सके.

बैंगन की खेती में कीट और रोग बन रहे हैं समस्या

देश के लगभग हर हिस्से में किसान बैंगन की खेती बड़े पैमाने पर करते हैं, बैंगन एक कॉमन सब्जी है, जिसे सभी लोग उगाना और खाना पसंद करते हैं. इस पौधे को बीज से उगाना तो बहुत आसान है, लेकिन देखभाल करना कुछ मुश्किल होता है, क्योंकि यह पौधा रोगों के प्रति अतिसंवेदनशील होता है, जिससे इसे लगाने से लेकर हार्वेस्टिंग तक कई कीट और रोगों का खतरा बना रहता है.

पौधा गलन रोग की पहचान- बैंगन में पौधा गलन (जड़ गलन/डैम्पिंग ऑफ) रोग की पहचान मुख्य रूप से पत्तियों के मुरझाने, तने के पास भूरे/काले होकर गलने और पौधे के जमीन पर गिरने से होती है. बैंगन की पौधे के लिए ये एक गंभीर बीमारी है, यह फफूंद के कारण होता है, जिसमें जड़ें भूरी और चिपचिपी हो जाती हैं और अंततः पूरा पौधा सूखकर मर जाता है.

पौधा गलन रोग से बचाव- बैंगन में पौधा गलन रोग से बचाव के लिए बुवाई से पहले बीजों का सही तरीके से उपचार करना जरूरी है और रोग प्रतिरोधी किस्मों जैसे,

पूसा पर्पल, क्लस्टर और कटराइन सैल 212-1 का चयन करें. फसल प्रबंधन के तहत भिंडी, टमाटर और आलू के बाद बैंगन की खेती नहीं करनी चाहिए, बल्कि फसल चक्र अपनाना चाहिए, ताकि रोग का फैलाव रोका जा सके. खेत में जलभराव न होने दें, क्योंकि अधिक नमी से फंगस तेजी से फैलती है और पौधे गलने लगते हैं. जैविक नियंत्रण के लिए ट्राइकोडर्मा विरिडी 500 ग्राम को 200 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ खेत में छिड़काव करना लाभकारी होता है.

छोटी पत्ती रोग की पहचान- छोटी पत्ती रोग का प्रकोप बैगन की पत्तियों पर दिखाई देता है . इसमें पत्तियां काफी छोटी हो जाती हैं और पौधों की शाखाओं का विकास सही तरह से नहीं हो पाता है, जिससे पौधे झाड़ीनुमा हो जाते हैं और फूल-फल नहीं बन पाते हैं .

छोटी पत्ती रोग से बचाव- बैंगन में छोटी पत्ती रोग एक फाइटोप्लाज्मा जनित रोग है, जो पर्ण फुदका कीट द्वारा फैलता है . इसके बचाव के लिए, संक्रमित पौधों को तुरंत उखाड़कर नष्ट करें . इसके अलावा नीम के तेल (5 ml/liter) का छिड़काव करें . साथ ही थियामेथॉक्सम 25% WG (8-10 ग्राम प्रति 15 लीटर पानी) या इमिडाक्लोप्रिड 70% WG (6-7 ग्राम प्रति 15 लीटर पानी) जैसे कीटनाशकों का प्रयोग करें, और फसल चक्र अपनाएं .